Bureau Of Indian Standards

(Guwahat Branch Office)

Ref GHBO/Energy Efficiency

28/1/2019

In line with the focus of Goverment of India to reduce Energy Intensity of the Indian Economy, based on which the Energy Conservation Act 2001 has been formulated, Guwahati Branch office has installed occupancy sensors which lights up the LED lights installed in places like Washrooms,Corridors,Stores and space in-front of the lift ,only during the period the illumination falls below the specified lumen and the sensor detects the presence of a person.

The outdoor lights are also being controlled by time switch which lights up the lamp automatically from 5 pm to 5 am and switches it off after 5 am when day light is received in this part of the country being located in eastern region.This saves a lot of energy since we do not have 24x7 security and earlier the lights would have been switched off once the staff arrives.Also since it was dependent on staff the lights were not switched on and off on time due to exigency of work

The calculated pay back period for BIS Guwahat after implementing the said measures will be around one year . In case they are located in offices with long corridors where a single controller can be used to control more number of lights the pay back period can come down to around two months.

GHBO also proposes to use BLDC fans in future whenever new fans are purchased or when new fans are purchased for the construction of interior of the other wing after the same is sanctioned so that the power consumption on account of the same can be reduced to less than half for each fan.

(Sabyasachi Dhar)

HGBO-(Amit Roy) 29/1/19

ITSD-To kindly upload in Intranet

भारतीय मानक ब्यूरो

(गुवाहाट शाखा कार्यालय)

संदर्भ: जीएचबीओ/ऊर्जा दक्षता

28/01/2019

भारतीय अर्थव्यवस्था की ऊर्जा की तीव्रता को कम करने के लिए भारत के शासन के फोकस के अनुरूप, जिसके आधार पर ऊर्जा संरक्षण अधिनियम 2001 तैयार किया गया है, गुवाहाटी शाखा कार्यालय ने ऑक्यूपेंसी सेंसर स्थापित किए हैं जो बाथरूम, कॉरिडोर स्टोर और लिफ्ट के सामने की जगह जैसी जगहों पर स्थापित एलईडी बल्बों को नियंत्रण करता हैं, केवल उस अवधि के दौरान जब रोशनी निर्दिष्ट लुमेन से नीचे आती है और सेंसर किसी व्यक्ति की उपस्थिति का पता लगाता है।

आउटडोर लाइटर्स को भी समय स्विच द्वारा नियंत्रित किया जा रहा है जो शाम 5 बजे से सुबह 5 बजे तक स्वचालित रूप से इन्हें को जलाता है और सुबह 5 बजे के बाद इसे बंद कर देता है जब देश के इस हिस्से में प्रकाश प्राप्त होता है जो पूर्वी क्षेत्र में स्थित है। यह ऊर्जा की बहुत बचत करता है जबकि हमारे पास 24×7 सुरक्षा नहीं है और इससे पहले कर्मचारी के आने के बाद ही रोशनी बंद की जाती थी। कर्मचारियों के उपर आश्रित होने के कारण कभी काम की वजह से रोशनी समय पर भी बंद नहीं होती थी ।

उक्त उपायों को लागू करने के बाद बीआईएस गुवाहाटी के लिए गणना की गई इसकी वापस भुगतान अवधि लगभग एक वर्ष होगी। एसे मामले में जहॉ बल्ब लंबे गलियारों वाले कार्यालयों में स्थित होते हैं, वहॉ एक एकल नियंत्रक का उपयोग अधिक संख्या में रोशनी को नियंत्रित करने के लिए किया जा सकता है, वापस भुगतान अवधि लगभग दो महीने तक कम हो सकती है।

जीएचबीओ, भविष्य में जब भी नए पंखे खरीदे या दूसरी विंग के लिए इंटीरियर का निर्माण स्वीकृत किया जाता है, तो बीएलडीसी पंखों का उपयोग करने का प्रस्ताव है, ताकि प्रत्येक पंखे के लिए बिजली की खपत आधी से कम हो सके ।

(सब्यसाची धर)

प्रमुख, जीएचबीओ

ITSD- कृपया इंट्रानेट में अपलोड करें ।